स्नातक ज्योतिर्विज्ञान पाठ्यक्रम
(JYOTIRVIJNANA COURSE OF UNDER GRADUATE)

सेमेस्टर प्रणाली (Semester System)

स्नातक (बी0ए0) पाठ्यक्रम छः सेमेस्टर में परिपूर्ण किया जायेगा। तीन वर्षों में प्रतिवर्ष दो सेमेस्टर होंगे। सेमेस्टर I, II, III तथा IV में दो–दो प्रश्नपत्र होंगे। सेमेस्टर V में तीन प्रश्नपत्र होंगे। सेमेस्टर VI में तीन प्रश्नपत्रों में से दो प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक (Theory) तथा एक प्रश्नपत्र प्रयोगात्मक (Pratical) होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के 100 पूर्णाङ्क होंगे जिसमें प्रत्येक प्रश्नपत्र के अन्तर्गत 20 अङ्क का आन्तरिक अन्वीक्षण (Internal Assessment) किया जायेगा। आन्तरिक अन्वीक्षण (Internal Assessment) के अन्तर्गत 10 अङ्कों का प्रोजेक्ट (Project), 05 अङ्कों का प्रस्तुतीकरण (Presentation) तथा 05 अङ्क उपस्थिति (Attendence) के होंगे।

बी0ए0 प्रथम सेमेस्टर (B.A. Ist Semester)

निर्देशः स्नातक (B.A. I Semester) प्रथम सेमेस्टर में दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र (First Paper)

(ज्योतिर्विज्ञान का सामान्य परिचय)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 01 से 03 अध्याय

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 04 से 05 अध्याय

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 06 से 07 अध्याय

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 08 से 10 अध्याय

संस्तुत ग्रन्थ–

1. सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) बाबूलाल ठाकुर, ज्योतिषाचार्य
2. अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानं–श्री रामनाथ सहाय
3. नीहारिकाएँ–डॉ0 गोरख प्रसाद
4. ग्रहनक्षत्र–डॉ0 सम्पूर्णानन्द
5. ज्योतिष प्रवेशिका–गोपेश कुमार ओझा

द्वितीय प्रश्नपत्र (Second Paper)

(भारतीय ज्योतिष का इतिहास)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

वैदिककाल में ज्योतिष का उद्‌भव तथा विकास, ऋग्वेद ज्योतिष, याजुष ज्योतिष तथा आथर्वण ज्योतिष

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

रामायण तथा महाभारत काल में ज्योतिष का उद्‌भव तथा विकास

तृतीय वर्ग (Unit-III)

ज्योतिष के आचार्य–लगध, वराहमिहिर, आर्यभट्ट (प्रथम तथा द्वितीय), ब्रह्मगुप्त, लल्ल तथा मुञ्जाल

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

ज्योतिष के आचार्य–भास्कराचार्य (प्रथम और द्वितीय), कमलाकर भट्ट, गणेश दैवज्ञ, वेङ्कटेश बापूजी, केतकर तथा सुधाकर द्विवेदी

संस्तुत ग्रन्थ–

1. भारतीय ज्योतिष–श्री शङ्कर बालकृष्ण दीक्षित
2. भारतीय ज्योतिष–श्री नेमिचन्द्र शास्त्री

3. भारतीय ज्योतिष का इतिहास–डॉ0 गोरख प्रसाद
4. वेदाङ्ग ज्योतिष–प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल (संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास–द्वितीय खण्ड–वेदाङ्ग–प्रो0 ओ0पी0 पाण्डेय)
5. आथर्वण ज्योतिष–हिन्दी अनुवादक–डॉ0 प्रयाग नारायण मिश्र

बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर (B.A. IInd Semester)

निर्देशः स्नातक (B.A. II Semester) द्वितीय सेमेस्टर में दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र (First Paper)

(ज्योतिर्विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 11 से 13 अध्याय

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 14 से 15 अध्याय

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 16 से 17 अध्याय

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 18 से 20 अध्याय

संस्तुत ग्रन्थ–

1. सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) बाबूलाल ठाकुर, ज्योतिषाचार्य
2. ज्योतिष प्रवेशिका–गोपेश कुमार ओझा
3. अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानं–श्री रामनाथ सहाय
4. ग्रहनक्षत्र–डॉ0 सम्पूर्णानन्द
5. नीहारिकाएँ–डॉ0 गोरख प्रसाद

द्वितीय प्रश्नपत्र (Second Paper)

(संहिता तथा मुहूर्त्त ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80

आन्तरिक अन्वीक्षण: 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

शीघ्रबोध–प्रथम प्रकरण

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

शीघ्रबोध–द्वितीय प्रकरण

तृतीय वर्ग (Unit-III)

शीघ्रबोध–तृतीय प्रकरण

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

शीघ्रबोध–चतुर्थ प्रकरण

संस्तुत ग्रन्थ–

1. शीघ्रबोध–काशीनाथ विरचित हिन्दी अनुवाद प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल
2. मुहूर्त्त प्रकाश–श्री चतुर्थी लाल शर्मा
3. मुहूर्त्त गणपति–गणपति–हिन्दी टीकाकार, मुरलीधर चतुर्वेदी
4. मुहूर्त्त चिन्तामणि–(पीयूषधारा संस्कृत टीका सहित), रामाचार्य, हिन्दी व्याख्याकार–पं0 केदारदत्त जोशी

बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर (B.A. IIIrd Semester)

निर्देशः स्नातक (B.A. III Semester) तृतीय सेमेस्टर में दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र (First Paper)

(जन्मपत्रिका निर्माण)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 21 से 25 अध्याय

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 26 से 28 अध्याय

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 38 से 44 अध्याय

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) 45 से 51 अध्याय

संस्तुत ग्रन्थ–

1. सचित्र ज्योतिष शिक्षा (प्रारम्भिक ज्ञान खण्ड) बाबूलाल ठाकुर
2. भारतीय कुण्डली विज्ञान–मीठा लाल ओझा
3. केशवीय जातक पद्धति–केशव दैवज्ञ–सम्पादक टीकाकार–चन्द्रमा पाण्डेय
4. मानसागरी–डॉ0 रामचन्द्र पाण्डेय
5. भारतीय कुण्डली विमर्श–डॉ0 गिरिजा शङ्कर शास्त्री

द्वितीय प्रश्नपत्र (Second Paper)

(होरा ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80

आन्तरिक अन्वीक्षण: 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

शुकजातकम्–प्रथम अध्याय

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

शुकजातकम्–द्वितीय अध्याय

तृतीय वर्ग (Unit-III)

शुकजातकम्–तृतीय तथा चतुर्थ अध्याय

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

शुकजातकम्–पञ्चम तथा षष्ठ अध्याय

संस्तुत ग्रन्थ–

1. शुकजातकम्–ब्रह्मर्षि शुकदेव, हिन्दी टीकाकार–प्रो0 बृजेश कुमार शुक्ल
2. बृहज्जातक–वराहमिहिर विरचित हिन्दी टीका पं0 केदारदत्त जोशी
3. लघुजातक–वराहमिहिर विरचित हिन्दी टीका पं0 लषण लाल झा
4. लग्नचन्द्रिका–काशीनाथ विरचित, उपसम्पादक डॉ0 अनिल कुमार पोरवाल

बी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर (B.A. IVth Semester)

निर्देशः स्नातक **(B.A. IV Semester)** चतुर्थ सेमेस्टर में दो प्रश्नपत्र होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र (First Paper)

(वास्तु ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

वास्तुमाणिक्यरत्नाकर (प्रथम प्रकरण–1 से 64 श्लोक पर्यन्त)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

वास्तुमाणिक्यरत्नाकर (प्रथम प्रकरण–65 से 134 श्लोक पर्यन्त)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

वास्तुमाणिक्यरत्नाकर (प्रथम प्रकरण–135 से 192 श्लोक पर्यन्त)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

वास्तुमाणिक्यरत्नाकर (द्वितीय गृहप्रवेश प्रकरण)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. वास्तुमाणिक्यरत्नाकर–डॉ0 रामतेज पाण्डेय
2. वास्तुरत्नाकरः–श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी
3. वास्तुराजवल्लभ–श्री मण्डनसूत्रधार विरचित, टीका–श्रीरामरत्न ओझा

द्वितीय प्रश्नपत्र (Second Paper)

(गोल परिभाषा तथा खगोल परिचय)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80

आन्तरिक अन्वीक्षण: 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

गोल परिभाषा (01 से 28 श्लोक पर्यन्त)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

गोल परिभाषा (29 से 55 श्लोक पर्यन्त)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

गोल परिभाषा (56 से 86 श्लोक पर्यन्त)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

खगोल परिचय

संस्तुत ग्रन्थ–

1. गोल परिभाषा– पं0 गणपति लाल शर्मा
2. खगोल परिभाषा–डॉ0 नागेन्द्र पाण्डेय
3. खगोल परिभाषा – डॉ0 कामेश्वर उपाध्याय

बी0ए0 पञ्चम सेमेस्टर (B.A. Vth Semester)

निर्देशःस्नातक (B.A. V Semester) पञ्चम सेमेस्टर में तीन प्रश्नपत्र होंगे।

प्रथम प्रश्नपत्र (First Paper)

(सिद्धान्त ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

सूर्य सिद्धान्त–मध्यमाधिकार (01 से 40 श्लोक पर्यन्त)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

सूर्य सिद्धान्त–मध्यमाधिकार (41 से 80 श्लोक पर्यन्त)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

सूर्य सिद्धान्त–स्पष्टाधिकार (01 से 34 श्लोक पर्यन्त)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

सूर्य सिद्धान्त–स्पष्टाधिकार (35 से 69 श्लोक पर्यन्त)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. सूर्य सिद्धान्त–हिन्दी टीकाकार–महावीर प्रसाद श्रीवास्तव
2. सूर्य सिद्धान्त–हिन्दी टीकाकार–बलदेव प्रसाद मिश्र
3. भारतीय ज्योतिष–श्री शङ्कर बालकृष्ण दीक्षित
4. Suryasiddhant with English Translation and Notes-Shri Bapudeva Shastri

द्वितीय प्रश्नपत्र (Second Paper)

(होरा ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80

आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

लघुपाराशरी (सञ्ज्ञाध्याय तथा फलनिर्णयाध्याय)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

लघुपाराशरी (योगफलाध्याय)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

लघुपाराशरी (मारकाध्याय)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

लघुपाराशरी (दशाफलाध्याय)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. लघुपाराशरी–डॉ0 सुरेश चन्द्र मिश्र
2. लघुपाराशरी–पाराशर–पं0 केदार दत्त जोशी
3. लघुपाराशरी भाष्य–दीवान रामचन्द्र कपूर
4. जातकाभरणम्–ढुण्ढिराज, टीकाकार–पं0 सीताराम झा
5. बृहत्पाराशर–होराशास्त्रम्–पाराशर–हिन्दी टीकाकार–डॉ0 सुरेश चन्द्र मिश्र
6. पाराशरी होरा –डॉ0 कामेश्वर उपाध्याय

तृतीय प्रश्नपत्र (Third Paper)

(जातक–फलित)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

जातकालङ्कार (सञ्ज्ञाध्याय)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

जातकालङ्कार (भावाध्याय)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

जातकालङ्कार (योगाध्याय)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

जातकालङ्कार (विषकन्यायोगाध्याय)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. जातकालङ्कार–पं0 लषणलाल झा
2. फलदीपिका–मन्त्रेश्वर विरचित–गोपेश कुमार ओझा
3. बृहज्जातकम्–वराहमिहिर विरचित–पं0 केदार दत्त जोशी

बी0ए0 षष्ठ सेमेस्टर (B.A. VIth Semester)

निर्देशः स्नातक (B.A. VI Semester) षष्ठ सेमेस्टर में तीन प्रश्नपत्र होंगे, जिसमें दो प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक (Theory) तथा एक प्रश्नपत्र प्रयोगात्मक (Practical) होगा

प्रथम प्रश्नपत्र (First Paper)

(प्रश्न ज्योतिष)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

प्रश्नभूषणम् (प्रथम से चतुर्थ अध्याय पर्यन्त)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

प्रश्नभूषणम् (पञ्चम से अष्टम अध्याय पर्यन्त)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

प्रश्नभूषणम् (नवम से द्वादश अध्याय पर्यन्त)

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

प्रश्नभूषणम् (त्रयोदश से षोडश अध्याय पर्यन्त)

संस्तुत ग्रन्थ–

1. प्रश्नभूषणम्–श्रीजीवनाथ विरचित, टीका–पं0 रामचन्द्र पाठक
2. प्रश्नविद्या–आचार्य बादरायण, व्याख्याकार–डॉ0 सुरेश चन्द्र मिश्र
3. प्रश्नदर्पण–एस0 डी0 उध्दायन
4. प्रश्नचन्द्रप्रकाश–चन्द्र दत्त पन्त

द्वितीय प्रश्नपत्र (Second Paper)

(ताजिक तथा गोचर विचार)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

ताजिकभूषण (प्रथम से चतुर्थ अध्याय पर्यन्त)

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

ताजिकभूषण (पञ्चम से नवम अध्याय पर्यन्त)

तृतीय वर्ग (Unit-III)

गोचर विचार

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

ग्रहोपचार

संस्तुत ग्रन्थ–

1. ताजिकभूषण–श्री गणेश दैवज्ञ, हिन्दी अनुवादक–श्री सीताराम शास्त्री
2. ताजिक नीलकण्ठी–श्री नीलकण्ठ–हिन्दी टीका–पं0 केदार दत्त जोशी
3. ग्रहगोचर विचार–डॉ0 देवीप्रसाद त्रिपाठी
4. ज्योतिष तथा ग्रहपीड़ा निवारण–पं0 राजशेखर दैवज्ञ

तृतीय प्रश्नपत्र (Third Paper)

ज्योतिर्विज्ञान प्रयोगात्मक परीक्षा (Practical Exam of Jyotirvijnan)

पूर्णाङ्कः 100
प्रश्नपत्रः 80
आन्तरिक अन्वीक्षणः 20

प्रथम वर्ग (Unit-I)

पञ्चाङ्ग परिचय तथा सूर्योदय–सूर्यास्त साधन

द्वितीय वर्ग (Unit-II)

मानक समय से स्थानीय समय का ज्ञान, अयनांश साधन तथा इष्टकाल साधन

तृतीय वर्ग (Unit-III)

लग्न साधन, भयात–भभोग साधन तथा ग्रह स्पष्टीकरण

चतुर्थ वर्ग (Unit-IV)

जन्मपत्री निर्माण और विंशोत्तरी दशा आनयन

संस्तुत ग्रन्थ–

1. भारतीय कुण्डली विज्ञान–पं0 मीठालाल ओझा
2. केशवीय जातक पद्धति–केशव दैवज्ञ–सम्पादक टीकाकार–चन्द्रमा पाण्डेय
3. भारतीय कुण्डली विमर्श–डॉ0 गिरिजा शङ्कर शास्त्री
4. ज्योतिष सर्वस्व–डॉ0 सुरेश चन्द्र मिश्र
5. ज्योतिष पीयूष– पं0 कल्याण दत्त शर्मा